

उत्तराखण्ड शासन
पेयजल अनुभाग-1
संख्या- 1089 /उन्तीस(1)/2010-(26 अधि)/08
देहरादून : दिनांक- 19 जनवरी, 2010
अधिसूचना

चूंकि राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है :

अतएव, राज्यपाल, 30प्र0 जतिआवश्यक सेवाओं का अनुस्मरण अधिनियम, 1966 (30प्र0 अधिनियम संख्या 30, वर्ष 1966) (उत्तराखण्ड राज्य में प्रभाप्रवृत्त) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके इस अधिसूचना के प्रकाशन की दिनांक से छ माह की अवधि के लिए उत्तराखण्ड पेयजल निगम एवं उत्तराखण्ड जल संस्थान में कार्यरत कर्मियों की समस्त सेवाओं को अत्यावश्यक सेवायें घोषित करते हुए उनकी हड़ताल आदि को निषिद्ध करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,
(एम0एच0 खान)
सचिव।

पू0सं0- 1089 /उन्तीस(1)/2010-(26 अधि)/08, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि :- अंग्रेजी रूपान्तर तथा एक अतिरिक्त प्रतिलिपि सहित उप निदेशक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि इस अधिसूचना को उत्तराखण्ड असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट के परिनियतन आदेश के अन्तर्गत प्रकाशित करने तथा उसकी संख्या-100 मुद्रित प्रतियाँ पेयजल अनुभाग-1 को भेजने का कष्ट करें।

आज्ञा से,
(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव।

पू0सं0- 1089 /उन्तीस(1)/2009-(26अधि)/08, तदुदिनांक।

उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित की जा रही है :-

1. पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड।
3. आयुक्त, कुमायूँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
7. समस्त अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
8. सम्बद्ध समस्त कर्मचारी यूनियन।
9. सम्बन्धित पत्रावली।
10. गार्ड फाईल /उन्0आई0सी0।

आज्ञा से,
(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1089/XXIX(1)/2010-(26 Adhi)/08 Dated January, 2010 for general information.

**GOVERNMENT OF UTTARAKHAND
PEYJAL ANUBHAG-1**

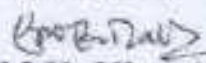
**N0. 1089/XXIX(1)/2010-(26 Adhi)/08
Dehradun, Dated 19 January, 2010**

NOTIFICATION

WHEREAS, the State Government is satisfied that in the public interest it is necessary to do so;

Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Uttar Pradesh Essential Services Maintenance UAct, 1966 (Act No. 30 of 1966) (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to declare all services of the Personnels of the Uttarakhand Peyjal Nigam and the Uttarakhand Jal Sansthan as essential and prohibit their strike for the period of six months from the date of publication of this notification.

By Order,


(M.H. Khan)
Secretary